Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

लेखाशास्त्र - II

अध्याय - 8

वित्तीय विवरण - 1

भाग - 5

अभ्यास प्रश्न - I

मनीष कुमार सोनी

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिये क्या उद्देश्य होते हैं ?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिये क्या उद्देश्य होते हैं ?

उत्तर : वित्तीय विवरणों को तैयार करने के दो मूलभूत उद्देश्य होते हैं:-

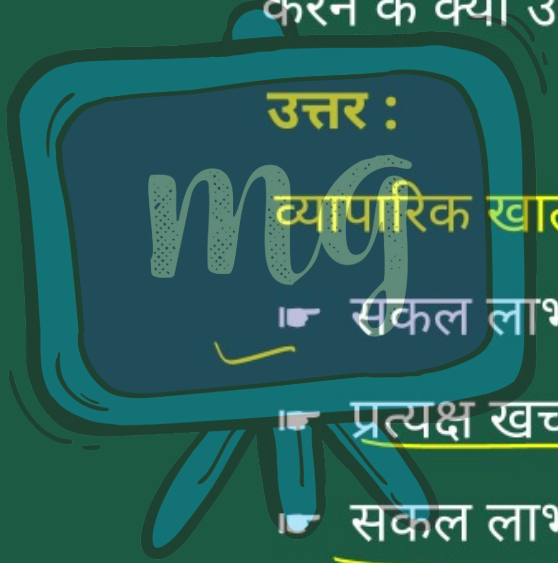
- ☛ व्यापार के वित्तीय निष्पादन का सत्य व स्पष्ट प्रस्तुतीकरण
- ☛ व्यापार की वित्तीय स्थिति का सत्य व स्पष्ट प्रस्तुतीकरण।

2. व्यापारिक तथा लाभ और हानि खाता को तैयार करने के क्या उद्देश्य हैं ?



2. व्यापारिक तथा लाभ और हानि खाता को तैयार करने के क्या उद्देश्य हैं ?

उत्तर :



व्यापारिक खाता बनाने के उद्देश्य :

- सकल लाभ की दर ज्ञात करना।
- प्रत्यक्ष खर्चों की जानकारी प्राप्त करना।
- सकल लाभ की दर का तुलनात्मक अध्ययन करना तथा व्यापार में हुए शुद्ध क्रय, शुद्ध विक्रय एवं रहतिये की जानकारी प्राप्त करना।

लाभ-हानि खाता तैयार करने के उद्देश्य :

- सम्बन्धित वित्तीय वर्ष की वास्तविक लाभ या वास्तविक हानि की जानकारी ज्ञात करना।
- शुद्ध लाभ की दर ज्ञात करना।
- लाभ-हानि की सहायता से भविष्य की योजनाएँ बनाना।
- तुलनात्मक अध्ययन करना।
- समस्त अप्रत्यक्ष व्ययों की जानकारी प्राप्त कर इन व्ययों में कमी करने की योजना बनाना।

3. बेचे गये सामान की लागत की आवधारणाओं की व्याख्या करें? Cost of goods sold (COGS)



3. बेचे गये सामान की लागत की आवधारणाओं की व्याख्या करें?

उत्तर : बेचे गये सामान की लागत की आवधारणा:

- यदि कोई प्रारम्भिक अथवा अन्तिम स्टॉक नहीं है तो:

[Purchase + Direct Exp.]

बेचे गये माल की लागत = क्रय + प्रत्यक्ष व्यय

- यदि प्रारम्भिक स्टॉक न हो लेकिन अन्तिम स्टॉक हो तो:

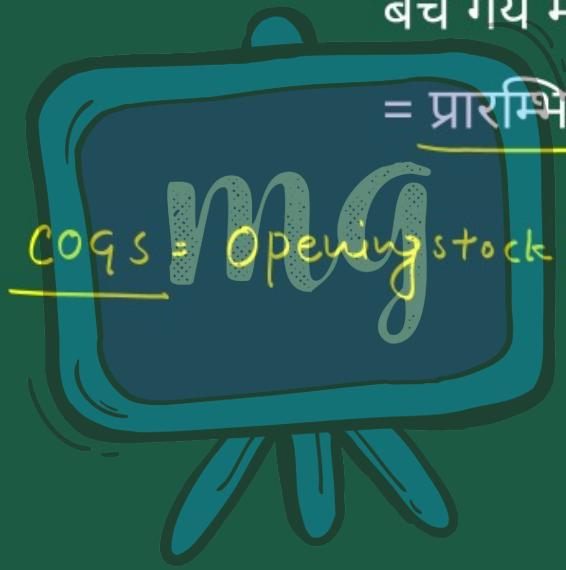
बेचे गये माल की लागत

= क्रय + प्रत्यक्ष व्यय - अन्तिम स्टॉक

- यदि प्रारम्भिक एवं अन्तिम स्टॉक दोनों हों तो बेचे गये माल की लागत

  = प्रारम्भिक स्टॉक + क्रय + प्रत्यक्ष व्यय – अन्तिम स्टॉक

COGS = Opening stock + Purchase + Direct Exp. – closing stock



4. एक तुलन-पत्र क्या है? इसके गुण क्या होते हैं?



4. एक तुलन-पत्र क्या है? इसके गुण क्या होते हैं?

उत्तर : तुलन-पत्र (Balance Sheet): तुलन-पत्र किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान की परिसम्पत्तियों तथा दायित्वों को दर्शाने वाला एक विवरण है जो उसकी आर्थिक अवस्था को प्रदर्शित करता है। किसी दी गयी तिथि में तुलन-पत्र में मौजूदा सूचनाएँ उस तिथि के लिए ही सत्य होती हैं।

☛ **तुलन-पत्र के गुण :**

✧ तुलन-पत्र अन्तिम खाते का एक भाग है परन्तु यह खाता नहीं है, यह केवल एक विवरण है।

✧ तुलन-पत्र में परिसम्पत्तियों का योग हमेशा दायित्व के बराबर होता है।

✧ तुलन-पत्र खाता के समीकरण को प्रदर्शित करता है।

- तुलन-पत्र में उन खातों के शेष लिये जाते हैं जो व्यापार खाते एवं लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित नहीं हुए हों।
- तुलन-पत्र में दर्शायी गई सम्पत्तियाँ एवं दायित्व निश्चित तिथि को व्यापार में विद्यमान होती हैं।

5. पूँजी तथा आगम व्यय के मध्य क्या भेद हैं और नीचे दिये गये कथनों के विवरण में कौन से कथन पूँजी अथवा आगम व्यय मदों के है-

(अ) पूराने भवन के क्रय के बाद उसे उपयोग हेतु तैयार करने के लिये उसकी मरम्मत तथा सफेदी पर व्यय।

5. पूँजी तथा आगम व्यय के मध्य क्या भेद हैं और नीचे दिये गये कथनों के विवरण में कौन से कथन पूँजी अथवा आगम व्यय मदों के है-

(अ) पूराने भवन के क्रय के बाद उसे उपयोग हेतु तैयार करने के लिये उसकी मरम्मत तथा सफेदी पर व्यय।

उत्तर : पूँजी व्यय

(ब) सरकार के अदेशानुसार एक सिनेमा हाल में एक से अधिक निकास बनाने पर आया व्यय।



(ब) सरकार के अदेशानुसार एक सिनेमा हाल में एक से अधिक निकास बनाने पर आया व्यय।



उत्तर : पूँजी व्यय

(स) भवन को खरीदते समय दिये गये पंजीकरण शुल्क



(स) भवन को खरीदते समय दिये गये पंजीकरण शुल्क



उत्तर : पूँजी व्यय

(द) चाय के बागन की देखभाल पर आया व्यय, जो चार साल के बाद चाय का उत्पादन करेगा।



(द) चाय के बागन की देखभाल पर आया व्यय, जो चार साल के बाद चाय का उत्पादन करेगा।



उत्तर : पूँजी व्यय

(ध) संयंत्र पर आया ह्रास।



(ध) संयंत्र पर आया ह्रास।

उत्तर : आगम व्यय



(य) एक प्लेटफार्म जिस पर मशीन को लगाने में आय व्यय।



(य) एक प्लेटफार्म जिस पर मशीन को लगाने में आय व्यय।

उत्तर : पूँजी व्यय



(र) विज्ञापन पर किया गया व्यय जिसका लाभ चार साल तक आयेगा।



(र) विज्ञापन पर किया गया व्यय जिसका लाभ चार साल तक आयेगा।

उत्तर : स्थगित पूँजी व्यय



6. प्रचालन लाभ क्या है?



6. प्रचालन लाभ क्या है?

उत्तर : प्रचालन लाभ (Operating Profit): व्यवसाय के सामान्य प्रचालन या संचालन एवं क्रियाओं द्वारा अर्जित लाभ को प्रचालन लाभ कहते हैं। प्रचालन आय में से प्रचालन व्यय घटाने पर प्रचालन लाभ प्राप्त होता है। इसकी गणना करते समय गैर-परिचालन या अप्रचालन आय तथा व्ययों (Non-operating Income and Expenses) या असंगत लेन-देनों एवं व्यय जो कि विशुद्ध वित्तीय प्रकृति के होते हैं, को नहीं लिया जाता है।

प्रचालन लाभ कर एवं ब्याज से पूर्व का लाभ होता है।

☛ इसकी गणना करते समय असामान्य मदों (जैसे अग्नि से मशीन नष्ट होना) को भी नहीं लिया जाता है। इसकी गणना निम्न प्रकार की जाती है-



परिचालन लाभ = शुद्ध लाभ या निवल लाभ + गैर-परिचालन व्यय या अप्रचालन व्यय − गैर परिचालन आय



Operating Profit = Net Profit + Non-operating Expenses − Non-operating Incomes

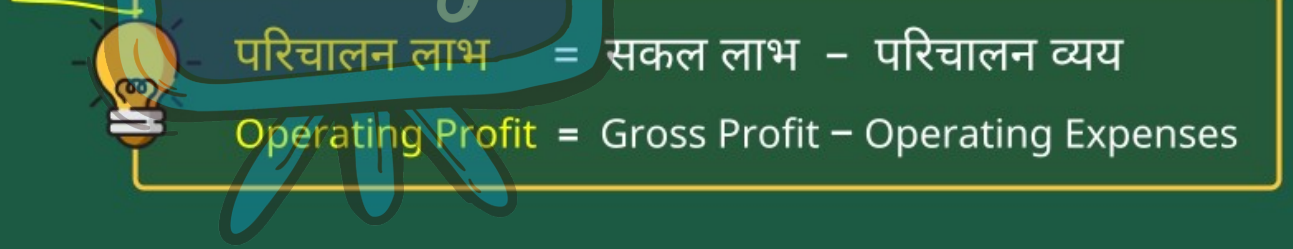
Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ परिचालन लाभ की गणना सकल लाभ में से परिचालन व्यय घटाकर भी की जा सकती है। परिचालन व्यय व्यवसाय के सामान्य संचालन से सम्बन्धित होते हैं। जैसे - कार्यालय व्यय, विक्रय व वितरण व्यय आदि।

Gross profit - op. exp.



परिचालन लाभ = सकल लाभ – परिचालन व्यय

Operating Profit = Gross Profit – Operating Expenses